RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 05 अप्रैल 2025 वर्ष 06 अंक 353 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार ये बिल लेकर आई है;

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र में नहीं सुधर रहे हालात...

मुंबई में कांग्रेस को बड़ा झटका, अब मुस्लिम चेहरा यूसुफ अब्राहनी ने छोड़ी पार्टी...

मुंबईः कांग्रेस एक तरफ जहां खुद को मजबूत करने के लिए गुजरात के अहमदाबाद में राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों में जुटी है तो वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में एक बार फिर पार्टी को झटका लगा है। कांग्रेस का एक बड़ा मुस्लिम चेहरा व पूर्व विधायक यूसुफ अब्राहनी ने पार्टी के सभी पद और सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा है। साथ ही उन्होंने उसकी एक प्रति मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा व सांसद गायकवाड़ को भी भेजी है।

इस्तीफा देने के बारे में उन्होंने बताया कि पार्टी की बहुत बुरी हालत है और इसके जिम्मेदार पार्टी के नेता ही है। उन्होंने राहुल गांधी को विस्तार से बताई थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसे वे बहुत निराश है। बताया जा रहा है कि जल्दी कांग्रेस के कई सारे लोग पार्टी छोड़ सकते हैं। पिछले साल संजय निरुपम और मिलिंद देवड़ा के साथ दिवंगत बाबा सिद्दीकी और फिर उनके बेटे जीशान सिद्दीकी ने पार्टी छोड़ी थी।

दुःखी मन से क्या बोले अब्राहनी ?

आखिर कांग्रेस पार्टी छोड़ने की नौबत क्यों आई? इस पर यूसुफ अब्राहनी ने कहा कि आज मुंबई कांग्रेस का बहुत बुरा हाल है। पार्टी का कार्यालय राजीव गांधी भवन देखिए, खडंहर जैसा दिखाई देता है। कई महीनों के बिजली का बिल नहीं दिया गया। वहां करने वाले चंद लोग ही बचे हैं। उन्हें भी सैलरी नहीं मिल पा रही है। ऐसी दयनीय हालत मुंबई कांग्रेस की कभी नहीं रही। उन्हें बहुत दुख है कि चंद लोगों की मनमानी के कारण पार्टी का यह हाल हो गया है। वे कहते हैं कि विधानसभा चुनाव हुए। इतनी बुरी पराजय हुई। कोई चर्चा तक नहीं हुई। बैठक तक नहीं बुलाई गई। उद्धव ठाकरे की पार्टी से गठबंधन कर विधानसभा लड़ा। उसका कितना नुकसान हुआ और उसके आकलन पर कोई बात रही। बस अपनी-अपनी देख वाली हो रही है। बहुत ही बोझिल मन से पार्टी छोड़नी पड़ रही है।

कई और नेता पार्टी छोड़ने की कगार पर

कई मुस्लिम संगठनों से जुड़ाव

पेशे से वकील अब्राहनी कई मुस्लिम संगठनों और एसोसिएशन से भी जुड़े हुए हैं। वे वर्तमान में इस्लाम जिमखाना के अध्यक्ष भी हैं। अतीत में, उन्होंने राज्य मंत्री के दर्जे के साथ म्हाडा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। मुंबई क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर थे। उन्होंने पद से इस्तीफा देने के साथ-साथ कांग्रेस की सदस्यता भी छोड़ दी है। उन्होंने अपनी भविष्य की रणनीति के बारे में कुछ भी नहीं बताया है। खड़गे को दिए इस्तीफा पत्र में उन्होंने कांग्रेस और पार्टी से मिले स्नेह के लिए धन्यवाद भी दिया है। मुंबई में कांग्रेस यूनिट की कमान विधायक से सांसद बनी वर्षा गायकवाड के हाथों में है।

'पापा गेम खेलना है',

पिता ने गुस्से में छीना फोन तो 16 साल के लड़के ने उठाया खौफनाक कदम

मुंबईः आज कल के बच्चों को फोन चलाने की बहुत बुरी लत लग गई है, जिससे लगभग सारे ही मां-बाप बहुत परेशान हो गए हैं. कुछ ऐसी ही घटना महाराष्ट्र के ठाणे जिले से सामने आई है, जहां पर मोबाइल फोन छीन लेने पर एक लड़के ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पिता द्वारा मोबाइल फोन में गेम खेलने से मना करने और मोबाइल फोन छीन लिए जाने से नाराज 16 साल के एक लड़के ने कथित तौर पर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी.

यहां एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुरुवार को अंबरनाथ कस्बे के नेवाली गांव की एक चॉल में हुई. अधिकारी ने बताया कि कक्षा 10 वीं के छात्र अमन साहू ने कथित तौर पर अपने घर में छत से उस समय फांसी लगा ली, जब उसके परिजन घर से बाहर गए हुए थे. पुलिस के अनुसार, किशोर के माता-पिता चाहते थे कि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे और फोन का कम इस्तेमाल करे. उन्होंने उसे अतिरिक्त कक्षाओं में दाखिला दिलाया था.

मोबाइल फोन पर गेम खेलने का बहुत आदी था लड़का

पुलिस ने बताया कि लड़का मोबाइल फोन पर गेम खेलने का बहुत आदी था और परिवार के लोग उसके मोबाइल चलाने पर रोक लगाना चाहते थे जिसके चलते उन्होंने लड़के से मोबाइल फोन भी छीन लिया था. पुलिस ने बताया कि परिवार द्वारा मोबाइल ले लिए जाने से हताश लड़के ने आत्मघाती कदम उठाया. वरिष्ठ निरीक्षक अनिल जगताप ने बताया कि उल्हासनगर के हिल लाइन थाने में पुलिस ने दुर्घटना के कारण मौत का मामला दर्ज कर लिया है.

'राउत के लिए मेंटल हॉस्पिटल में बेड बुक....'

NCP ने दी मुंहतोड़ जवाब की धमकी, बोले- भांडुप का भोंगा...

मुंबईः वक्फ संशोधन बिल पर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के सांसद व प्रवक्ता संजय राउत एवं उप मुख्यमंत्री अजित पवार की राकां के बीच ठन गई है। राकां के नेता प्रफुल्ल पटेल को राउत ने गुरुवार को राज्य सभा में 'नंगा करने' की धमकी दी थी। जिसके बाद राकां ने शुक्रवार को पलटवार करते हुए मुंहतोड़ जवाब देने की चेतावनी राउत को दी है। गुरुवार को राज्य सभा में वक्फ संशोधन बिल पर बहस के दौरान राउत और प्रफुल्ल पटेल के बीच तीखी जुबानी जंग देखने को मिली थी। जिसके बाद राउत ने आपा खो दिया। संजय राउत ने अप्रत्यक्ष तौर पर पटेल के माफिया डॉन दाऊद से कथित संबंध होने का दावा करते हुए एक्सपोज करने की धमकी दी थी। राउत ने कहा कि बीजेपी ने दाऊद के सहयोगियों को संसद में साथ ले लिया। खुद रंग बदलने वाले दूसरों को वफादारी का पाठ पढ़ाते हैं। उन्होंने अजित पवार पर निशाना साधते हुए कहा था कि उन्होंने अपना अवमूल्यन करा लिया है।

ठाणे के पागलखाने भेजने की चेतावनी

उपरोक्त विवादित बयानों पर अजित की राकां ने शुक्रवार को पलटवार किया। राकां के दक्षिण मुंबई में आयोजित पत्रकार परिषद में पूर्व सांसद एवं राकां के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे ने राउत पर जोरदार हमला बोला। आनंद परांजपे ने कहा कि भांडुप का भोंगा दिल्ली से एक मानसिक रोगी की तरह कानफाडू आवाज में बजा। लेकिन उसे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार और राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सांसद प्रफुल्ल पटेल के बारे में सोच-समझकर बोलना चाहिए। नहीं तो भविष्य में ठाणे के मानसिक अस्पताल में उनके लिए एक बेड बुक कर दिया जाएगा। आनंद परांजपे ने आगे कहा कि कभी शिवसेना हिंदुत्व की राजनीति करती थी। ''गर्व से कहो हम हिंदू हैं... '' उनका नारा था। खुद बालासाहेब ठाकरे ने कहा था कि अगर बाबरी मस्जिद को गिराने में उनके शिवसैनिकों का हाथ था, तो उन्हें उन पर गर्व है। 1992-93 के दंगों में शिवसेना की भागीदारी की बात भी उन्होंने स्वीकार की थी। लेकिन आज की शिवसेना, जिसे संजय राउत ने कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी के चरणों में समर्पित कर दिया है, उस विचारधारा से बहुत दूर जा चुकी है। राउत ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, वैसे ही शब्द हम भी उनके लिए प्रयोग कर सकते हैं।

महाराष्ट्र के नांदेड़ में बड़ा हादसा, ट्रैक्टर के कुएं में गिरने से छह मजदूरों के डूबने की आशंका

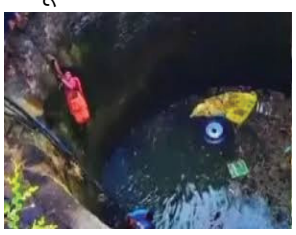

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के नांदेड़ में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक ट्रैक्टर के कुएं में गिरने से छह मजदूरों के डूबने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में खेती के काम से जा रहे मजदूरों को ले जा रहा एक ट्रैक्टर कुएं में गिर गया। हादसे में छह लोगों के डूबने की आशंका है। नांदेड़ पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हादसा सुबह करीब 7.30 बजे अलेगांव गांव में हुआ। उन्होंने कहा, 'ट्रैक्टर पर कम से कम 10 लोग सवार थे और वे खेत में हल्दी की कटाई करने जा रहे थे। तभी वाहन कुएं में गिर गया। बारिश के कारण इलाका फिसलन भरा था।'

संपादकीय...

मेलों की पगड़ी...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हिमाचल के मेलों में समाज और समाज के मेलों में नया रिवाज अब रौनक के संदर्भों को बदल रहा है। जाहिर है मेलों में व्यापार का आनंद बढ़ा है और आनंद के बाजार में मेले बड़े हो गए हैं। जो इन्हें गांव या शहर के मेले समझते हैं, वे गलत हैं या मेला संस्कृति को हम गलत ढंग से इस्तेमाल कर रहे हैं। अभी होली के मेले में सुजानपुर-पालमपुर में बड़े कलाकार देखे गए, तो युवाओं का त्योहारी जोश हर शहर के चौक-चौराहे पर आकर मदहोश हो गया। मेले अब महज कुश्ती के नहीं रहे, टमक पर बजती चोट के नहीं रहे। वहां मिट्टी के बरतनों की खरीददारी से कहीं आगे 'ट्रेड फेयर' के व्यापारी आ गए। इसलिए मेले का ग्राउंड बिकता है और क्यों न बिके। अगर दाड़ी मेले का डोम बिक कर नगर निगम धर्मशाला के आय की शिनाख्त करे, तो ऐसे दर्जनों मेला ग्राउंड विकसित होने चाहिएं, लेकिन मेलों की संवेदना-संभावना को रौंद कर अगर सियासी और प्रशासनिक काफिले इन्हें अपनी महफिल का दास बना लें, तो सारा उद्देश्य हार जाता है। मेलों की सार्थकता अब इनके आयोजन की पारदर्शिता में है। नगरोटा के लिदबड़ मेले की सांस्कृतिक संध्या में हारती कुश्ती का जिक्र करते हुए पूर्व भाजपा विधायक अरुण कुमार कूका ने इसका पूरा इतिहास खंगाल दिया। मेलों में छिंज यानी कुश्ती के संदर्भ दरअसल नायकत्व की पहचान रही है। यह सामाजिक प्रश्रय की बेहतरीन मिसाल है जहां एक साल की तैयारी में विकसित होते युवाओं के शारीरिक सौष्ठव का प्रदर्शन, ईमानदार तालियों का इंतजार करता है। ताज्जुब यह है कि सियासी वर्चस्व ने मेले से कुश्ती का ग्राउंड छीन लिया है या डोम के फैलाव ने कुश्तियों की अहमियत को कमजोर कर दिया। यह दीगर है कि मेलों में पगडि ां बढ़ गईं और समाज को पीछे छोड़ सियासत का कुनबा, प्रशासन की रीत बन कर आगे दिखने लगा। आश्चर्य यह भी कि हिमाचल की इंद्रियां हर जगह राजनीति के लिए और सियासत सरीखी हो गई हैं। विडंबना यह है कि नलवाड़ मेलों में खूंटा गाड ो की परंपरा के लिए अब बैल नहीं मिलते, लेकिन मेले में खूंटे से बंधी सियासत साफ दिखती है।

नलवाड़ मेलों का उद्देश्य किसान या ग्रामीण आर्थिकी का शृंगार करता था, लेकिन अब वीआईपी समारोह की चाकरी में नेताओं का अभिनंदन करता है। बेशक हिमाचल में रामपुर के लवी मेले का अपना एक व्यापारिक ट्रैक रहा है, लेकिन अब दुकानदारी के फलक पर भगदड़ मची है। कहना न होगा कि मेलों में सियासी मेलों की खोज हो रही है, इसीलिए नेता बड़ा तो मेला राज्य स्तरीय हो जाएगा या किसी कस्बे में पड़ोस का कोई बड़ा पंजाबी गायक पहुंच जाएगा। नेताओं की पहचान में मेले होने लगें, तो समाज की भूमिका सिर्फ ताली बजाना है। आश्चर्य यह कि मेलों की सारी तालियां पगड़ीवालों, बाहरी कलाकारों और बाहरी पहलवानों के लिए ही रह गईं, जबकि अब देशी व्यापार का नए व्यापार से संघर्ष भी चुगली करने लगा है। मेले बढ़ें और बड़े भी हों, लेकिन इनके आयोजनों से अर्जित आर्थिकी का योगदान या तो सीधे राज्य को मिले या इनके विस्तार व प्रबंधन के लिए एक मेला विकास प्राधिकरण बने।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार ये बिल लेकर आई है;

बैरिस्टर जिन्ना ने भी मुसलमानों की इतनी परवाह नहीं की थी - संजय राउत

'असली मुद्दों से भटकाने की रणनीति'

मुंबई : राज्यसभा में वक्फ बिल को लेकर शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने बीजेपी और केंद्र सरकार को जमकर निशाने पर लिया. उन्होंने कहा कि असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए केंद्र सरकार ये बिल लेकर आई है. राउत ने कहा कि मुसलमानों को चोर बोलने वालों को कब से उनकी चिंता होने लगी. राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर बोलते हुए शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा, ''मैं देख रहा हूं कि दोनों सदनों में लोग अचानक गरीब मुसलमानों की चिंता करने लगे हैं. यह इतना अचानक हुआ है कि मैं, हिंदू और मुसलमान, सभी डरे हुए हैं. मैंने केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू की बात सुनी. बैरिस्टर जिन्ना ने भी मुसलमानों की इतनी परवाह नहीं की थी. ऐसा लगता है कि उनकी आत्मा आपके शरीर में प्रवेश कर गई है.

उन्होंने आगे कहा, ''मुझे लगता था कि हम हिंदू राष्ट्र बना रहे हैं, लेकिन अब यह सब देखने के बाद मुझे लगता है कि आप इसे हिंदुत्व का नया पाकिस्तान बनाने की योजना बना रहे हैं. यह विधेयक लोगों का ध्यान भटकाने की योजना है. कल ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया और उसी दिन आप यह विधेयक लेकर आए, चर्चा इसी टैरिफ पर होनी चाहिए थी, लेकिन इस मुद्दे से ध्यान डायवर्ट करने के लिए केंद्र सरकार ये बिल लेकर आई. जब आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए थी, तब धार्मिक मुद्दों पर चर्चा हो रही है.''

मुसलमानों की चिंता कब से होने लगी-राउत

आप लोग (बीजेपी) मुसलमानों के हित की बात कर रहे हो आपको उनकी चिंता कब से होनी लगी. ये आप लोग ही हो जो मुसलमानों में चोर बोलते हो, आतंकवादी बोलते हो, महाराष्ट्र में मुसलमानों की दुकान से मीट नहीं खरीदने की बात कर रहे और आप अब मुसलमानों की जमीनों की चिंता कर रहे हो. संजय राउत ने आगे कहा, ''गृहमंत्री ने कल कहा था कि हम 2025 से पहले वाली मस्जिद दरगाहों और मदरसों को हाथ नहीं लगाएंगे लेकिन खाली जमीनों को मुस्लिम महिलाओं के कल्याण के लिए बेचेंगे, आखिर आप (केंद्र सरकार) खरीदने और बेचने पर आ ही गए.''

मुंबई : फीनिक्स मॉल की छत पर आग लगने से इलाके में अफरातफरी...

मुंबई : कुर्ला इलाके में स्थित फीनिक्स मॉल की छत पर आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर सामने नहीं आई है। मामले में नगर निगम के अधिकारी ने बताया कि मॉल की छत पर करीज 9.45 मिनट पर आग लगने की, जिसके बाद छत को तुरंत खाली करा लिया गया।

साथ ही निगम अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण शॉपिंग सेंटर में धुआं भर गया था। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुई। उन्होंने बताया कि कम से कम चार दमकल गाड़ियां घटना स्थल पर पहुंचकर 20 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया। हालांकि उन्होंने ये भी बताया कि आग लगने के कारण का पता नहीं चला है।

मुंबई : फ्लाइट में भी यात्री मच्छरों से परेशान...

अयोध्या, कानपुर, सुल्तानपुर रेलखंड की 40 क्रॉसिंग होंगी बंद

मुंबई : मुंबई से आ रही उड़ान में मच्छरों से परेशान यात्रियों ने शिकायत की है। इससे पहले 31 मार्च को चेन्नई की फ्लाइट में भी यात्रियों ने अमौसी एयरपोर्ट पर शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

इंडिगो की फ्लाइट 6ई-643 मुंबई से रोजाना सुबह पौने पांच बजे उड़ान भरकर अमौसी सुबह 6:50 बजे पहुंचती है। इसमें सफर करने वाले दिलीप की ओर से शिकायत की गई कि सुबह की फ्लाइट ने जैसे ही उड़ान भरी, मच्छरों ने काटना शुरू कर दिया। सभी यात्री मच्छरों से परेशान दिखे। इसकी शिकायत क्रू से की गई, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। विमान की अन्य यात्री प्रिया राजपाल ने घटना का वीडियो बनाकर इंडिगो एयरलाइंस से शिकायत की है। उन्होंने कहा है कि विमान की सफाई पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

अयोध्या, कानपुर व सुल्तानपुर रेलखंड की 40 क्रॉसिंग उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल इस साल बंद करेगा। इससे ट्रेनों को तेज रफ्तार से चलाने में मदद मिलेगी। साथ ही क्रॉसिंगों पर होने वाले हादसों पर भी विराम लगाया जा सकेगा।

डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि इन क्रॉसिंगों को बंद कर रोडओवर ब्रिज (आरओबी) या अंडरपास (आरयूबी) बनाए जाएंगे। अयोध्या, कानपुर रूट पर 19 और सुल्तानपुर रूट पर तीन रेलवे क्रॉसिंग हैं। इन्हें इस साल बंद कर दिया जाएगा। सदर में अंडरपास बनाया जाएगा। इसका निर्माण जल्द शुरू होगा, जिससे पुराना किला और सदर बाजार के बीच दूरी कम होगी। 70 हजार आबादी का सफर आसान होगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रेलवे अधिकारियों को अंडरपास बनाने को लेकर निर्देश दिए थे। इसके बाद उत्तर रेलवे ने सर्वे करवाकर प्रस्ताव तैयार करवाया।

मुंबई : बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट में सिंगल मदर की डिमांड ; याचिका खारिज पांच हजार रुपये का जुमार्ना...

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट में एक महिला ने याचिका दायर कर ऐसी अजीब मांग कर दी, जिसे सुनकर जज भी हैरान हो गए। दरअसल एक महिला ने याचिका दायर कर अपने बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट से अपने पति का नाम पिता के तौर पर दर्ज नहीं करने की डिमांड की थी। महिला का कहना था कि सिर्फ उसका नाम ही सिंगल मदर के तौर पर बर्थ सर्टिफिकेट में दर्ज किया जाए। हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ के जस्टिस मंगेश पाटिल और वाई जी खोबरागड़े ने याचिकाकर्ता को खूब सुनाया, फिर याचिका खारिज करते हुए पांच हजार रुपये का जुमार्ना ठोक दिया।

महिला ने क्या मांग की थी?

38 वर्षीय महिला ने कोर्ट में याचिका दायर कर यह मांग की थी कि औरंगाबाद नगर निगम अधिकारियों को उसके बच्चे के जन्म रिकॉर्ड में सिर्फ मां का नाम दर्ज करने का आदेश दिया जाए। सर्टिफिकेट में उसे सिंगल पैरेंटस के तौर पर शामिल किया जाए और पिता के नाम के बिना बर्थ सर्टिफिकेट जारी किया जाए। महिला ने अपनी बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल अयाचिका में दावा किया कि उसका पति कुछ बुरी आदतों का आदी है और उसने कभी अपने बच्चे का चेहरा भी नहीं देखा है। कोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया।

महिला के रवैए पर कठोर टिप्पणी

28 मार्च को दिए गए आदेश में हाई कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अपने वैवाहिक विवाद में उलझे माता-पिता अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। माता-पिता में से कोई भी अपने बच्चे के जन्म रिकॉर्ड के संबंध में किसी भी अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता है। पीठ ने आदेश में कहा कि महिला ने जो दावा किया है, उससे स्पष्ट है कि वह अपने बच्चे को प्रॉपर्टी मानती है, जिसके बारे में वह कुछ भी दावा कर सकती है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए बच्चे के हितों की भी परवाह भी नहीं करती है।

मुंबईः न्यू इंडिया सहकारी बैंक मामले में अटैच होगी 168 करोड़ रुपये की संपत्ति

मुंबईः न्यू इंडिया सहकारी बैंक में कथित गबन के सिलसिले में पांच आरोपियों की 167.85 करोड़ रुपये की 21 संपत्तियां अटैच होंगी। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मजिस्ट्रेट अदालत से मंजूरी के बाद इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इसमें चारकोप स्थित 150 करोड़ रुपये की एक झुग्गी पुनर्वास परियोजना भी शामिल है, जिसे गिरफ्तार आरोपियों में से एक बिल्डर धर्मेश पौन विकसित कर रहा था। ईओडब्ल्यू अधिकारी ने बताया कि मुंबई में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत यह पहली कार्रवाई है।

मुंबईः अंधेरी स्टेशन का एफओबी मरम्मत कार्यों के कारण 3 महीने तक रहेगा बंद

मुंबईः पश्चिमी रेलवे ने गुरुवार को घोषणा की कि मरम्मत कार्यों के कारण अंधेरी स्टेशन पर एक फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) लगभग 3 महीने तक जनता के लिए बंद रहेगा. एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुंबई के अंधेरी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 और 5 पर मध्य फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) की साउथ की ओर की सीढ़ी के प्रतिस्थापन कार्य के संबंध में, सीढ़ी 7 अप्रैल से 6 जून 2025 तक बंद रहेगी. पश्चिमी रेलवे ने एक बयान में कहा, ''यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुविधा के लिए स्टेशन पर उपलब्ध वैकल्पिक सीढ़ियों और फुट ओवर ब्रिज का उपयोग करें.''

इस बीच, पश्चिमी रेलवे ने वानखेड़े स्टेडियम एफओबी का सफलतापूर्वक

पुनर्निर्माण और उद्घाटन किया, जिससे प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मैचों से पहले क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा सुनिश्चित हुई, एक आधिकारिक बयान में पहले कहा गया था. मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) से आवश्यक धन प्राप्त करने के बाद एफओबी का पुनर्निर्माण केवल आठ महीनों में पूरा हो गया. मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि नवनिर्मित एफओबी अब दो सीढ़ियों के साथ चालू है - एक पूर्व की ओर और दूसरी पश्चिम की ओर, दोनों उत्तर दिशा की ओर हैं. उन्होंने कहा, ''इससे पैदल यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी, खासकर आगामी आईपीएल मैचों के दौरान. 48 मीटर लंबाई और 6.30 मीटर चौड़ाई वाले एफओबी का 6.50 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्निर्माण किया गया है. पूर्व और पश्चिम की ओर की दो अन्य साउथ की ओरसीढ़ियाँ 7 अप्रैल, 2025 तक एमसीए को सौंप दी जाएँगी. सुरक्षा और दृश्यता बढ़ाने के लिए एमसीए द्वारा लाइट और निगरानी कैमरे लगाए गए हैं''. उन्होंने आगे कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे द्वारा किए गए सुरक्षा ऑडिट के बाद मूल एफओबी को जून 2020 में बंद कर दिया गया था. उन्होंने कहा, ''इस महत्वपूर्ण पैदल यात्री संपर्क मार्ग को बहाल करने की आवश्यकता को समझते हुए, पश्चिम रेलवे ने इसे पूरा करने के लिए समर्पित प्रयासों के साथ पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू की. पश्चिम रेलवे समय पर बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से यात्री सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है.

मुंबईः महिला से शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 1.67 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी...!

मुंबईः मुंबई से एक बार फिर ऑनलाइन जालसाजों द्वारा महिला के साथ धोखाधड़ी की खबर सामने आ रही है। मुंबई पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ऑनलाइन जालसाजों ने कांदिवली ईस्ट के लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में रहने वाली 50 वर्षीय महिला से 1.67 करोड़ रुपये ठग लिए। जालसाजों ने महिला को शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ सब्सक्रिप्शन से उच्च रिटर्न का वादा किया था।

मुंबईः बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट में सिंगल मदर की डिमांड; याचिका खारिज पांच हजार रुपये का जुमार्ना

याचिका दायर कर अपने बच्चे के बर्थ सर्टिफिकेट से अपने पति का नाम पिता के तौर पर दर्ज नहीं करने की डिमांड की थी। महिला का कहना था कि सिर्फ उसका नाम ही सिंगल मदर के तौर पर बर्थ सर्टिफिकेट में दर्ज किया जाए। हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ के जस्टिस मंगेश पाटिल और वाई जी खोबरागड़े ने याचिकाकर्ता को खूब सुनाया, फिर याचिका खारिज करते हुए पांच हजार रुपये का जुमार्ना ठोक दिया।

महिला ने क्या मांग की थी?

38 वर्षीय महिला ने कोर्ट में याचिका दायर कर यह मांग की थी कि औरंगाबाद नगर निगम अधिकारियों को उसके बच्चे के जन्म रिकॉर्ड में सिर्फ मां का नाम दर्ज करने का आदेश दिया जाए। सर्टिफिकेट में उसे सिंगल पैरेंटस के तौर पर शामिल किया जाए और पिता के नाम के बिना बर्थ सर्टिफिकेट जारी किया जाए। महिला ने अपनी बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल अयाचिका में दावा किया कि उसका पति कुछ बुरी आदतों का आदी है और उसने कभी अपने बच्चे का चेहरा भी नहीं देखा है। कोर्ट ने इस मांग को खारिज कर दिया।

महिला के रवैए पर कठोर टिप्पणी

28 मार्च को दिए गए आदेश में हाई कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अपने वैवाहिक विवाद में उलझे माता-पिता अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। माता-पिता में से कोई भी अपने बच्चे के जन्म रिकॉर्ड के संबंध में किसी भी अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता है। पीठ ने आदेश में कहा कि महिला ने जो दावा किया है, उससे स्पष्ट है कि वह अपने बच्चे को प्रॉपर्टी मानती है, जिसके बारे में वह कुछ भी दावा कर सकती है। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता अपने अहंकार को संतुष्ट करने के लिए बच्चे के हितों की भी परवाह भी नहीं करती है। जबकि बच्चे का भविष्य सबसे महत्वपूर्ण है। यह याचिका सिस्टम का मिसयूज और कोर्ट के कीमती समय की बबार्दी है।

मुंबईः इम्तियाज जलील ने सड़कों और सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई जारी रखने की कसम खाई...

मुंबई : महाराष्ट्र एआईएमआईएम के अध्यक्ष इम्तियाज जलील ने गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक के पारित होने की कड़ी आलोचना की , आरोप लगाया कि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार जैसे राजनीतिक नेताओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का ''डर के कारण'' समर्थन किया। मीडिया से बात करते हुए, जलील ने सड़कों और सुप्रीम कोर्ट दोनों में लड़ाई जारी रखने की कसम खाई, लेकिन न्यायिक निष्पक्षता पर संदेह व्यक्त किया, दावा किया कि कई सेवानिवृत्त न्यायाधीश मोदी सरकार के तहत उच्च-प्रोफाइल पद हासिल करते हैं।

''जब मतदान पूरा हो गया, तो लगभग 50 वोटों का अंतर था। टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू और जेडीयू के नीतीश कुमार ने डर के कारण पीएम मोदी का समर्थन किया है, लेकिन जब वे चार महीने बाद चुनाव में जाएंगे तो वे लोगों का सामना कैसे करेंगे? अजीत पवार भी पीएम मोदी का समर्थन कर रहे हैं। अब जब बिल पास हो गया है, तो हम एक लड़ाई सड़क पर और दूसरी सुप्रीम कोर्ट में लड़ेंगे, ''उन्होंने कहा। इम्तियाज जलील ने कहा, ''लेकिन हमें सुप्रीम कोर्ट से बहुत उम्मीद नहीं है। अगर ऐसे जज हैं जो एनएचआरसी के चेयरमैन बनना चाहते हैं या रिटायरमेंट के बाद राज्यसभा सीट चाहते हैं, तो न्याय नहीं होगा। पीएम मोदी के शासन में, ऐसे बहुत से जज हैं जो रिटायर होते ही पीएम मोदी के बगल में जाकर बैठ जाते हैं और अच्छे पद पा लेते हैं।'' लोकसभा ने बुधवार को मैराथन और गरमागरम बहस के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पारित कर दिया । इस बहस के दौरान, भारत ब्लॉक के सदस्यों ने कानून का जमकर विरोध किया, जबकि भाजपा और उसके सहयोगियों ने इसका जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता आएगी और वक्फ बोर्डों की दक्षता बढ़ेगी। विधेयक पारित करने के लिए सदन बुधवार आधी रात के बाद भी बैठा रहा। बाद में स्पीकर ओम बिरला ने मत विभाजन के परिणाम की घोषणा की। उन्होंने कहा, ''सुधार के अधीन, हाँ 288, नहीं 232। बहुमत प्रस्ताव के पक्ष में है।'' सरकार ने संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों को शामिल करने के बाद संशोधित विधेयक पेश किया , जिसने पिछले साल अगस्त में पेश किए गए कानून की जांच की थी। इस विधेयक का उद्देश्य 1995 के अधिनियम में संशोधन करके भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन और प्रबंधन में सुधार करना है।

भंडाराः खेत में काम करने गए दो लोगों की बिजली गिरने से मौत !

भंडाराः जिले के पाथरी में आज दोपहर करीब 12 बजे एक दुखद घटना घटी, जब खेत में काम करने गए दो लोगों की बिजली गिरने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान मनीषा भारत पुष्पतोड़े (25) और प्रमोद नागपुरे (45) के रूप में हुई है, दोनों पाथरी निवासी हैं।

मौसम विभाग द्वारा 3 अप्रैल की सुबह तुमसर तहसील में जारी अलर्ट के अनुसार, बादल छाए रहने, हल्की हवाएं चलने और गरज-चमक के

साथ बारिश होने की चेतावनी दी गई थी। इसी प्रकार, घटना की सुबह से ही जिले में बारिश हो रही थी। इस बीच, पाथरी के प्रमोद नागपुरे और मनीषा पुष्पतोड़े सुबह अपने खेतों पर अलग-अलग स्थानों पर कृषि कार्य करने गए थे। खेत में काम करते समय मूसलाधार बारिश शुरू हो गई और वे दोनों बारिश से बचने के लिए खेत के पास एक पेड़ के नीचे झोपड़ी में चले गए। अचानक, आकाश से बिजली गिरी और पेड़ के नीचे झोपड़ी पर गिर गई। बिजली का झटका लगने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मनीषा पुष्पतोड़े के परिवार में उनके पति, दो बच्चे, सास और ससुर हैं, जबकि प्रमोद नागपुरे के परिवार में उनकी पत्नी, दो बच्चे और माता-पिता हैं। उनकी मौत से गांव में शोक फैल गया है। घटना की जानकारी मिलते ही नागरिक घटनास्थल पर जमा हो गए। इस बीच, स्थानीय सरपंच विद्या कोहरे और उपसरपंच रुषिकुमार खुने भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी तलाठी तहसीलदार और गोबरवाही पुलिस थाने को दी।

मुंबई : एक महीने की अवधि के लिए ड्रोन... रिमोट-कंट्रोल माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, पैरा ग्लाइडर और हॉट एयर बैलून उड़ाने पर प्रतिबंध

मुंबई : मुंबई पुलिस ने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है. पुलिस ने एक महीने की अवधि के लिए ड्रोन, रिमोट-कंट्रोल माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, पैरा ग्लाइडर और हॉट एयर बैलून उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है. पुलिस अधिकारियों ने इस संबंध में जानकारी दी है. ये प्रतिबंध 4 अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा.

एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी निषेधाज्ञा 4 अप्रैल से 5 मई तक लागू रहेगी. आतंकियों और असामाजिक तत्वों से लोगों की सुरक्षा को लेकर खतरे की आशंका है. फ्लाइंग ऑब्जेक्ट पर बैन को लेकर आदेश को न मानने पर सख्त कार्रवाई की बात कही गई है.

मुंबई पुलिस की ओर से जारी आदेश के मुताबिक आतंकवादी और असामाजिक तत्व अपने हमलों में ड्रोन, रिमोट-कंट्रोल माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, पैरा ग्लाइडर का इस्तेमाल कर सकते हैं और वीवीआईपी को निशाना बना सकते हैं, लोगों की जान को खतरे में डाल सकते हैं, साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट कर सकते हैं और मुंबई पुलिस कमिश्नरेट एरिया में कानून व्यवस्था की गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं.

संभावित नुकसान को रोकने के लिए मुंबई पुलिस का फैसला

आदेश में कहा गया है कि उड़ने वाली वस्तुओं के जरिए संभावित नुकसान को रोकने के लिए शहर में ऐसे तत्वों की गतिविधियों पर कुछ प्रतिबंध लगाने की जरूरत है, जिसके लिए कुछ निवारक उपाय किए जाने की जरूरत है. इसी को देखते हुए मुंबई पुलिस ने ड्रोन, रिमोट-नियंत्रित माइक्रोलाइट विमान, पैराग्लाइडर की उड़ान गतिविधियों पर बैन लगाया है.

आदेश का उल्लंघन करने पर मुंबई पुलिस करेगी कड़ी कार्रवाई

मुंबई पुलिस के अधिकार क्षेत्र में पुलिस की हवाई निगरानी या डीसीपी (ऑपरेशन) की विशेष अनुमति को छोड़कर ड्रोन, रिमोट-नियंत्रित माइक्रोलाइट विमान, पैराग्लाइडर की उड़ान गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी. मुंबई पुलिस की ओर से आदेश में साफ तौर से कहा गया है कि ऑर्डर का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (किसी लोक सेवक द्वारा घोषित वैध आदेश की अवज्ञा) के तहत दंडित किया जाएगा.

मुंबईः रिश्वतखोरी के मामले में बीएमसी के के-ईस्ट वार्ड का कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबईः मुंबई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने रिश्वतखोरी के मामले में बीएमसी के के-ईस्ट वार्ड के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोक सेवक की पहचान बीएमसी के के-ईस्ट वार्ड में सहायक संदीप जोगदंडकर के रूप में हुई है। एसीबी के अनुसार, शिकायतकर्ता ठेले बेचने और किराए पर देने का व्यवसाय करता है। 18/01/2025 को शिकायतकर्ता के ठेले बनाने के उपकरण रखरखाव विभाग, बीएमसी, के/ईस्ट वार्ड, मुंबई द्वारा उठाए गए थे। अगले दिन शिकायतकर्ता के/ईस्ट वार्ड गया और वहां अधिकारियों से मिलने की कोशिश की, लेकिन उनसे नहीं मिल सका। उसके बाद 27/01/2025 को शिकायतकर्ता ने के/ईस्ट वार्ड में एक अधिकारी से संपर्क किया, जिसने शिकायतकर्ता से कहा कि उसका सामान अब फेंक दिया गया है और कुछ नहीं किया जा सकता। उसके बाद 27/03/2025 को शिकायतकर्ता को अपने परिचितों से पता चला कि उसका सामान संदीप जोगदंडकर द्वारा बेचा जा रहा है। तदनुसार, शिकायतकर्ता ने अपने एक परिचित व्यक्ति को जोगदंडकर से मिलने के लिए भेजा।

उस समय जोगदंडकर ने शिकायतकर्ता से फोन पर संपर्क किया और उसे जे.बी. नगर मेट्रो स्टेशन के पास मिलने के लिए कहा। फिर जोगदंडकर ने शिकायतकर्ता से अपना सामान लाने के लिए 15,000 रुपये देने को कहा। बातचीत के बाद यह रकम 12,000 रुपये पर आ गई। हालांकि, चूंकि शिकायतकर्ता लोक सेवक को रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने 02/04/2025 को एसीबी मुंबई कार्यालय से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

मुंब्रा : सेंधमारी कर 2.18 लाख रुपये के आभूषण चुराने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

मुंब्रा : पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मुंब्रा इलाके में एक घर में कथित तौर पर सेंधमारी कर 2.18 लाख रुपये के आभूषण चुराने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 20 मार्च को अंजारवाला कॉम्प्लेक्स में हुई थी। शिकायतकर्ता महजबीन कुरैशी (35) के अनुसार, उनके घर में शाम 4 बजे से 6.45 बजे के बीच चोरी हुई, जब वह रमजान के लिए खरीदारी करने बाहर गई थीं। सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार को सूफियान शब्बीर शेख (22) और मेहराज सबिताली शेख (22) को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ निरीक्षक अनिल शिंदे ने बताया कि उनके कब्जे से 2,18,000 रुपये के सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या ये दोनों इलाके में चोरी की अन्य घटनाओं में भी शामिल थे।

मुंबईः नहीं रहे मशहूर फिल्म अभिनेता और दिग्गज निर्देशक मनोज कुमार

मुंबईः मशहूर फिल्म अभिनेता और दिग्गज निर्देशक मनोज कुमार (87) नहीं रहे। उन्होंने यहां के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आखिरी सांस ली। सारा देश उन्हें उनकी देशभक्ति फिल्मों के लिए जानता है। लोग उन्हें सम्मान से 'भारत कुमार' कहते हैं। हरदिल अजीज अभिनेता के निधन से फिल्म उद्योग ही नहीं सारा देश गहरे सदमे में है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें भर्ती कराया था। वह आज सुबह 3:30 बजे दुनिया को अलविदा कह गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मनोज कुमार के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, '' महान अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुःख हुआ। वे भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे, जिन्हें खास तौर पर उनकी देशभक्ति के जोश के लिए याद किया जाता था, जो उनकी फिल्मों में भी झलकता था। मनोज जी के कामों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया और वे पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।''

मुंबई : महिला पुलिस अधिकारी से बदसलूकी करने, अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक गिरफ्तार

मुंबईः मानखुर्द पुलिस ने मोहम्मद शरीफ मोहम्मद सलीम शेख उर्फ गुड्डू को पुलिस की ड्यूटी में बाधा डालने, महिला अधिकारी से बदसलूकी करने, अश्लील भाषा का इस्तेमाल करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। घटना रविवार देर रात करीब 11:15 बजे मानखुर्द के पीएमजीपी कॉलोनी में एकवीरा होटल रोड के पास हुई। शिकायतकर्ता, 30 वर्षीय पुलिस सब-इंस्पेक्टर, जो मानखुर्द पुलिस स्टेशन में तैनात है और नवी मुंबई के कोपरखैराने में रहता है, जब झगड़ा हुआ, तब वह ड्यूटी पर था, एक विशेष पुलिस दल उस क्षेत्र में गश्त कर रहा था, जब उन्होंने देखा कि मोहम्मद शरीफ प्रतिबंधों के बावजूद जूते का व्यवसाय चला रहा था। जब अधिकारियों ने उसे अपनी दुकान बंद करने का निर्देश दिया, तो उसने मना कर दिया और उनसे बहस करने लगा। उसकी पत्नी काजल जल्द ही टकराव में शामिल हो गई, उसने मौखिक रूप से गाली-गलौज की और वर्दीधारी अधिकारियों को धक्का दिया। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद, दोनों ने अपना आक्रामक व्यवहार जारी रखा। इस दौरान शरीफ ने कथित तौर पर महिला अधिकारी के प्रति अभद्र टिप्पणी की और धमकी देते हुए कहा, ''तुम्हारे जैसे कई पुलिस अधिकारी आए और चले गए। मेरे साथ मत उलझो, नहीं तो मैं तुम्हें मार डालूंगा।''

मुंबई : सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा बनीं मुंबई टीम की मालकिन...

मुंबई : महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर ने मुंबई की टीम खरीद ली है. जी हां, सारा तेंदुलकर ने ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग में मुंबई टीम का मालिकाना हक प्राप्त कर लिया है. ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग को दुनिया की सबसे बड़ी ई-क्रिकेट लीगों में से एक माना जाता है. साल 2025 में इस लीग का दूसरा सीजन आयोजित होगा. बता दें कि यह लीग रियल क्रिकेट एप पर खेली जाती है, जिसे इंटरनेट पर 30 करोड़ से भी ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है. डेब्यू सीजन के बाद ग्लोबल ई-क्रिकेट लीग ने अच्छी खासी पहचान कायम कर ली है. पहले सीजन में 2

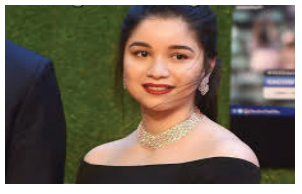

लाख खिलाड़ियों ने रजिस्टर किया था, जबकि सीजन 2 के लिए 9 लाख 10 हजार रजिस्ट्रेशन आए हैं.

मालकिन बनने पर क्या बोलीं सारा तेंदुलकर?

ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग में मुंबई टीम की मालकिन बनने पर सारा तेंदुलकर ने कहा, ''क्रिकेट हमारे परिवार का अभिन्न हिस्सा रहा है. ई-स्पोर्ट्स में क्रिकेट के भविष्य को देखना उत्साहजनक है. ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग में मुंबई फ्रैंचाइजी को खरीदना किसी सपने के सच होने जैसा है. मैंने अपने जुनून को उस शहर के साथ जोड़ लिया है, जिससे मुझे बहुत लगाव है. मैं एक प्रतिभाशाली टीम के साथ पार्टनरशिप करने को लेकर उत्सुक हूं.'' ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग के साथ जुड़कर सारा तेंदुलकर भारत में ई-क्रिकेट को एक नए मुकाम पर ले जाने में अहम योगदान देंगी. सारा तेंदुलकर के भाई, अर्जुन तेंदुलकर एक क्रिकेटर हैं और कच्छ में मुंबई इंडियंस टीम के लिए खेलते हैं. अर्जुन ने अभी तक आईपीएल में सिर्फ 5 मैच खेले हैं और डोमेस्टिक क्रिकेट में गोवा टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं.

मुंबईः असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन विधेयक प्रति फाड़कर किया विरोध; एआईएमआईएम के नेता वारिस पठान ने किया बचाव

मुंबईः ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान ने गुरुवार को पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का बचाव किया, जिन्होंने लोकसभा में विरोध में नाटकीय ढंग से इसकी प्रति फाड़कर वक्फ संशोधन विधेयक का कड़ा विरोध किया था । एएनआई से बात करते हुए, पठान ने जोर देकर कहा कि किसी भी मुस्लिम की अंतरात्मा इस तरह के कानून को स्वीकार नहीं करेगी, उन्होंने इसे समुदाय पर सीधा हमला करार दिया। ''उन्होंने (ओवैसी) महात्मा गांधी का उदाहरण दिया कि जब वे दुखी थे तो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के एक कानून को फाड़ दिया। उनकी अंतरात्मा ने भी कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है; भाजपा धर्म के नाम पर देश को बांटने की कोशिश कर रही है, इसलिए विरोध में उन्होंने विधेयक को फाड़ दिया। इसमें क्या गलत है? अगर मैं उनकी जगह होता तो मैं भी यही करता। किसी भी मुसलमान की अंतरात्मा ऐसे कानूनों को पारित होने की अनुमति नहीं देती। वास्तव में, मैं इसे फाड़कर हवा में फेंक देता। यह हमारे समुदाय पर सीधा हमला है,'' वारिस पठान ने कहा। एआईएमआईएम नेता ने यह भी उल्लेख किया कि लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक का पारित होना ''देश के मुसलमानों के लिए एक और काला दिन है ।''

पठान ने कहा, ''हमने देखा है कि जब से वे (भाजपा) सत्ता में आए हैं, उन्होंने केवल नफरत फैलाई है और यह कल उनके द्वारा दिखाए गए उदाहरणों में से एक है। यह पूरी तरह से असंवैधानिक विधेयक है। यह मुसलमानों पर सीधा हमला है और वे केवल हमारी वक्फ संपत्तियों को हड़पना चाहते हैं। हम अपने संविधान के अनुसार इस विधेयक के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेंगे। हम सभी कानूनी रास्ते अपनाएंगे। उन्होंने दिखाया है कि उनके पास ताकत है और वे जो चाहें करेंगे। यह तानाशाही से कम नहीं है और उन्होंने यह दिखाया है। हम अपना विरोध तब तक जारी रखेंगे जब तक मोदी सरकार इसे वापस नहीं ले लेती।''

असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला किया और कानून का विरोध करने के लिए विधेयक की प्रति को अनस्टेपल करके फाड़ दिया। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर बहस में भाग लेते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ विधेयक के माध्यम से मुसलमानों के साथ गलत व्यवहार किया जाएगा। ओवैसी ने कहा, ''यह विधेयक मुसलमानों पर हमला है । मोदी सरकार ने मेरी आजादी पर जंग छेड़ दी है। मेरी मस्जिदें, मेरी दरगाहें, मेरे मदरसे निशाने पर हैं। यह सरकार सच्चाई को उजागर नहीं कर रही है। यह विधेयक अनुच्छेद 14- समान संरक्षण का उल्लंघन करता है। सीमाएं लगाई जाएंगी। ऐसा करने से अतिक्रमणकारी मालिक बन जाएगा और एक गैर-मुस्लिम वक्फ बोर्ड का प्रशासन करेगा। यह विधेयक कानून के लिए समानता का भी उल्लंघन करता है।'' बुधवार को लोकसभा ने मैराथन और गरमागरम बहस के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पारित किया , जिसके दौरान भारतीय ब्लॉक के सदस्यों ने इस कानून का जमकर विरोध किया, जबकि भाजपा और उसके सहयोगियों ने इसका पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता आएगी और वक्फ बोर्डों की दक्षता बढ़ेगी।

नागपुर में सरेआम 35 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक 35 वर्षीय व्यक्ति की सरेआम चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस हत्याकांड मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य आपोरी अभी भी फरार चल रहे है। साथ ही एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात करीब 10.15 बजे झिंगाबाई टाकली बाजार इलाके में हुई, जब करीब पांच हमलावरों के एक समूह ने सोहेल खान पर हमला किया और उस पर कई बार चाकू से वार किया।

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने मंत्रालय में पत्रकारों के प्रवेश पर नया नियम लागू किया

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मंत्रालय और राज्य सचिवालय में दोपहर 2 बजे के बाद ही प्रवेश की अनुमति देने का फैसला लिया है। गृह विभाग के एक परिपत्र के अनुसार, पुलिस को आदेश दिया गया है कि वह पत्रकारों को सभी सुरक्षा जांच के बाद दोपहर 2 बजे के बाद परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दें। इसके साथ ही, राज्य सरकार ने चेहरा पहचानने की प्रणाली और 'डिजी प्रवेश' ऐप के जरिए भवन में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि भीड़ प्रबंधन में सुधार हो सके।

मुंबईः धोखाधड़ी के माध्यम से 5.62 करोड़ रुपये ट्रांसफर

साइबर पुलिस स्टेशन ने धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला दर्ज किया

मुंबईः मुंबई के साउथ साइबर पुलिस स्टेशन ने धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला दर्ज किया है। यह मामला एक पीड़ित की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पीड़ित को धोखाधड़ी के माध्यम से 5.62 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने के लिए धोखा दिया गया था। पीड़ित मलबार हिल का रहने वाला है। यह घटना 27 जुलाई, 2024 और 12 फरवरी, 2025 के बीच हुई, जब पीड़ित से आकृति देसाई नाम की महिला और उसके साथियों ने संपर्क किया। जालसाजों ने टॉपफेस और व्हाट्सएप के जरिए पीड़ित से संपर्क किया और निवेश के बदले में काफी मुनाफा देने का वादा किया। धोखेबाजी के जरिए उन्होंने पीड़ित का विश्वास हासिल किया और उन्हें विभिन्न बैंक खातों में कुल 5.62 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने के लिए राजी कर लिया। शिकायत 2 अप्रैल, 2025 को सुबह 11:30 बजे मुंबई के साउथ साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई, जिसके बाद बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 336(2), 336(3), 61(2) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(सी) और 66(डी) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया। अभी तक, कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही कोई संपत्ति जब्त की गई है। अपराधियों का पता लगाने और ठगी गई राशि की वसूली के लिए जांच जारी है।

मुंबईः मनसे कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने पर गैर-मराठी भाषी समुदायों के लोगों पर कथित तौर पर हमला किया

मुंबईः महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने मुंबई और पुणे में गैर-मराठी भाषी समुदायों पर कथित तौर पर हमला किया, जबकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हालांकि राज्य सरकार मराठी भाषा के इस्तेमाल के पक्ष में है, लेकिन ''किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए''। यहां मुंबई और पुणे में हुई पांच घटनाओं की सूची दी गई है, जहां मनसे कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने पर गैर-मराठी भाषी समुदायों के लोगों पर कथित तौर पर हमला किया। इन घटनाओं में कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर भीड़ द्वारा हमला और शारीरिक झड़पें शामिल हैं।

महाराष्ट्र बैंक के लोनावला शाखा प्रबंधक को मनसे कार्यकर्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ा, जिन्होंने सभी दैनिक व्यावसायिक लेन-देन में मराठी के अनिवार्य उपयोग पर जोर दिया। एक कार्यकर्ता को यह कहते हुए सुना गया, ''मराठी राज्य की आधिकारिक भाषा है। यदि आप मराठी में बात नहीं कर सकते, तो ग्राहक अपने लेन-देन कैसे पूरा करेंगे? यदि आपके सभी कर्मचारी हिंदी में बात करेंगे, तो ग्राहक कैसे समझेंगे? साथ ही, बैंक में सभी बोर्ड अंग्रेजी में हैं। आम लोग कैसे समझेंगे? यहां 99 प्रतिशत लोग मराठी बोलते हैं।''

नागपुरः 28 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली...

नागपुरः नागपुर में 28 वर्षीय एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि उसने एक कथित सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें दावा किया गया है कि वह एक फर्जी वीडियो और जान से मारने की धमकी से जुड़ी साजिश का शिकार हुई है। पुणे की एक कंपनी में काम करने वाली इंजीनियर करीब 15 दिन पहले अपने गृहनगर नागपुर लौटी थी - जहां वह अपने पिता, भाई और भाभी के साथ रहती थी। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार की सुबह उसने अपने पिता से नाश्ता खरीदने के लिए बाहर जाने को कहा और बाद में उसने फांसी लगा ली।

पुलिस ने अंग्रेजी और मराठी में लिखा एक सुसाइड नोट बरामद किया, जिसमें उसने रितेश और प्रतिम नाम के दो लोगों पर अपनी मौत के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके रूममेट ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। इसके अलावा, उसने उल्लेख किया कि उसका मोबाइल फोन 5 मार्च को इंदौर हवाई अड्डे से चोरी हो गया था। उन्होंने कहा कि शिकायत दर्ज कराने के उसके प्रयासों के बावजूद, पुलिस ने कथित तौर पर मोबाइल बिल की कमी का हवाला देते हुए शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। नोट में उसने यह भी दावा किया कि उसे एक फर्जी वीडियो के जरिए फंसाया जा रहा है जिसमें एक हमशक्ल भी शामिल है। उसने किसी भी धार्मिक टिप्पणी से इनकार किया और कहा कि कुछ लोग उसे गलत तरीके से फंसाने की कोशिश कर रहे हैं, पुलिस को बताया।

सोनिया गांधी ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर कहा- देश को रसातल पर ले जा रही सरकार, बिल जबरन पारित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (सीपीपी) की बैठक में कहा कि लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल को केंद्र सरकार ने जबरन पारित करवाया है। यह विधेयक संविधान पर हमला है और हमारे समाज को स्थायी रूप से तोड़ने की बीजेपी की सोची-समझी रणनीति का एक हिस्सा है।

इस अवसर पर सोनिया गांधी ने उपस्थित कांग्रेस सांसदों से कहा, कि मोदी सरकार देश को रसातल में ले जाने का काम कर रही है। वह संविधान पर हमला कर उसे ध्वस्त करना चाहती है। इस तरह से तो संविधान महज कागजों में रह जाएगा। वन नेशन-वन इलेक्शन बिल भी संविधान का उल्लंघन है, जिसका हम विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद मोदी सरकार की भारत को निगरानी राज्य में बदलने की मंशा को उजागर करने का काम करें।

बहुचर्चित वक्फ संशोधन बिल सोमवार देर रात लोकसभा में पारित हो गया, जिससे भारतीय राजनीति में हलचल मच गई है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इस बिल पर

तीखा प्रहार करते हुए इसे समाज को बांटने वाला और संविधान को कमजोर करने वाला करार दिया। कांग्रेस संसदीय समिति को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और कहा, भाजपा ने इस बिल को लोकसभा में बुलडोजर से पारित किया है। सोनिया गांधी ने लोकसभा में बहस के दौरान विपक्षी सांसदों को अपनी बात रखने का मौका न मिलने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, यह बेहद चिंताजनक है कि विपक्षी सांसदों को अपनी बात कहने नहीं दी जाती। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप भी लगाया। सोनिया गांधी ने भाजपा के प्रस्तावित एक देश, एक चुनाव कानून का भी विरोध किया। उन्होंने इसे संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ बताते हुए कहा कि कांग्रेस इस कानून को स्वीकार नहीं करेगी और इसे निरस्त करने की मांग करेगी।

नए संसद भवन पर टिप्पणी

सोनिया गांधी ने नए संसद भवन को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, अतीत में हम सहकर्मियों से मिल सकते थे, अन्य दलों के नेताओं से बातचीत कर सकते थे और मीडिया के साथ जुड़ सकते थे। लेकिन अब यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस रक्षा और विदेश मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा चाहती थी, लेकिन सत्ता पक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने चीन द्वारा भारत की सीमाओं पर पेश की जा रही चुनौतियों और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 19 जून 2020 को दिए गए बयान की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, चीन से आयात में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे एमएसएमई उद्योग नष्ट हो रहे हैं। यह अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है।

यहां बताते चलें कि लोकसभा में बुधवार रात को वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। रात 2 बजे की गई वोटिंग में 520 सांसदों ने भाग लिया, जिसमें 288 ने पक्ष में और 232 ने विपक्ष में वोट डाले।

ममता बनर्जी का बड़ा ऐलान - बीजेपी सरकार हटी तो वक्फ संशोधन विधेयक होगा रद्द

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा में पारित वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी की सरकार केंद्र से हटेगी, तो इस वक्फ बिल को रद्द कर दिया जाएगा। ममता बनर्जी ने बीजेपी पर देश को बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह विधेयक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन करता है।

उन्होंने कहा, जब केंद्र में नई सरकार बनेगी, तब इस कानून में संशोधन किया जाएगा और इसे रद्द कर दिया जाएगा। यहां बताते चलें कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इस बिल के खिलाफ मतदान किया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने इस विधेयक को राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि संविधान संसद को इस संबंध में कानून पारित करने का अधिकार नहीं देता। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्ति मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का हिस्सा है। इसलिए राज्यों को इस पर निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। गौरतलब है कि लोकसभा में बिल पास होने के बाद सरकार ने इसे राज्यसभा में पेश किया है। विपक्ष ने इस विधेयक को असंवैधानिक करार देते हुए सरकार से इसे वापस लेने की मांग की है। इस मुद्दे पर सियासी घमासान जारी है और आने वाले दिनों में इसे लेकर राजनीतिक दलों के बीच टकराव और बढ़ सकता है।

अजित पवार के पावर पर लगाम, अब शिंदे की नजर से गुजरेगी हर एक फाइल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने और भाजपा की सरकार बनने के बाद भी यहां सियासी नाराजगी दूर नहीं हो पाई है। लेकिन अब राजनैतिक खींचातानी कम होती दिखाई दे रही है। पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे से मुख्यमंत्री पद की कुर्सी गई तो वह होम मिनिस्टर बनना चाहते थे, लेकिन वह भी नहीं मिला तो कुछ मंत्रालय लेकर डिप्टी सीएम बन गए। इसके बाद भी उनकी नाराजगी बनी ही रही। कभी प्रभारी मंत्रियों को लेकर तो कभी मंत्रालयों के फैसलों को लेकर वह खफा दिखते थे। एक मलाल यह भी रहा कि अजित पवार को उनसे ज्यादा तवज्जो दी जा रही है, लेकिन अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में उनका कद बढ़ा दिया गया है। अब महाराष्ट्र सरकार के कामकाज की कोई भी फाइल उनसे होकर ही सीएम देवेंद्र फडणवीस तक जाएगी। नई सरकार के गठन के बाद से अजित पवार के पास फाइल जाती थी क्योंकि वह वित्त मंत्री थे और फिर सीएम फडणवीस उसे देखते थे।

महाराष्ट्र की चीफ सेक्रेटरी सुजाता सौनिक की ओर से आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी फाइल पहले वित्त मंत्री (डिप्टी सीएम अजित पवार) के पास जाएगी और फिर उन्हें शहरी विकास और हाउसिंग मिनिस्टर (डिप्टी सीएम

एकनाथ शिंदे) के पास भेजा जाएगा। अंत में सभी फाइलें सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास जाएंगी। इस तरह एकनाथ शिंदे के कद का पूरा ख्याल रखा गया है और वह एक तरह से अजित पवार से सीनियर होंगे। शिवसेना के नेताओं की लगातार यह शिकायत थी कि उनके लीडर एकनाथ शिंदे को सरकारी कामकाज उतना महत्व नहीं मिल रहा है, जितना उनका कद है और पार्टी की ताकत है। ऐसे में अब शिवसैनिकों के गुस्से को भी कंट्रोल किया जा सकेगा। स्थानीय निकाय के चुनावों से पहले यह फैसला अहम है। अब नई व्यवस्था आ गई है, जिसके तहत पहले फाइल अजित पवार पर ही जाएगी। फिर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के पास फाइलें आएंगी और उनके पास करने के बाद ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास पहुंचेंगी। इससे पहले जब एकनाथ शिंदे ही सीएम थे तो यह व्यवस्था थी कि पहले अजित पवार के पास फाइल पहुंचती थी और फिर देवेंद्र फडणवीस के पास से होते हुए मुख्यमंत्री तक पहुंचती थी। अब एक बार फिर से वैसी ही व्यवस्था है, बस क्रम बदल गया। अब फडणवीस सीएम हैं और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे हैं, लेकिन अजित पवार से शिवसेना लीडर का कद बड़ा कर दिया गया है।

वक्फ बिल के पास होने पर योगी की दो टूक चेतावनी, अब प्रदेश में माफियागीरी नहीं चलेगी

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे और उन्होंने प्रभु श्रीराम और निषादराज की मित्रता का स्मरण दिलाया। इस दौरान महाकुंभ की सफलता और प्रयागराज को मिली वैश्विक पहचान के लिए प्रयागराजवासियों को श्रेय दिया।

इस दौरान विरोधियों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि पिछली सरकारें नहीं चाहती थीं कि पौराणिक शहर को पहचान मिले। उनके लिए अपना वोट बैंक है, निषादराज की पौराणिक भूमि पर भी कब्जे की साजिश। जब हम महाकुंभ का आयोजन करने जा रहे थे, तब कुंभ की भूमि को भी वक्फ की भूमि बता दिया? भू माफिया प्रदेश में नहीं रह सकते। अब प्रदेश में माफियागीरी नहीं चलेगी। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए योगी ने कहा कि हम पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के प्रति आभारी हैं। वक्फ संशोधन विधेयक

लोकसभा में पारित हो गया, आज राज्यसभा में पारित होगा। इस मौके पर योगी ने 579 करोड़ की 181 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसके साथ ही वह विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक तथा प्रशस्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि आज यहां पर निषादराज परंपरा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए 580 करोड़ की योजना की सौगात देने आया हूं। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। गंगा-यमुना और सरस्वती का संगम। यहां निषादराज और भगवान राम के मिलन का भी संगम भी हुआ।

महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया प्रदेश, देश और सनातन धर्मावलिबंयों को। इतना बड़ा आयोजन रामभक्त ही कर सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रनिष्ठा चाहिए। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण नहीं, वह इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकता।

एमएसपी पर राज्य सरकारों की सिफारिशों को क्यों दरकिनार कर रहा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलग-अलग सूबों में फसल उत्पादन की अलग लागत आने के बावजूद केंद्र देश भर के लिए एक ही न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी तय करती है। हालांकि, कोई भी राज्य एमएसपी के ऊपर जरूरत के हिसाब से बोनस दे सकता है, लेकिन केंद्र इस तरह की किसी भी कोशिश को ठीक नहीं मानती। बहरहाल, मुद्दा यह है कि केंद्र सरकार एमएसपी एक ही तय करती है लेकिन क्या राज्य सरकारें इसके लिए अपनी ओर से कोई प्रस्ताव भेजती हैं? हां बिल्कुल ऐसा ही है। अब सवाल यह आता है किस किस राज्य ने धान, गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के लिए केंद्र को कितनी एमएसपी का प्रस्ताव दिया है।

केंद्र ने खरीफ मार्केटिंग सीजन 2024-25 के लिए धान की एमएसपी 2300 रुपये क्विंटल तय की थी। जबकि उस साल के लिए महाराष्ट्र ने धान की एमएसपी 4661 रुपये प्रति क्विंटल मांगी थी। केरल ने 3690 रुपये और कर्नाटक सरकार ने 3426 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी की मांग की थी। उत्तर प्रदेश ने 3000 और बिहार सरकार ने 3201 रुपये की मांग की थी। तेलंगाना ने 5428 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी मांगी थी। राज्य सरकारों ने केंद्र से अपने सूबे के लिए चाहे जितनी भी एमएसपी का प्रस्ताव दिया हो, लेकिन केंद्र ने प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया। केंद्र ने देश में धान की संपूर्ण लागत महज 2008 रुपये प्रति क्विंटल मानी। ताज्जुब यह है कि सी-2 कॉस्ट बताने के बावजूद केंद्र सरकार ने इस बात को माना नहीं। केंद्र सरकार ने ए2+एफएल फार्मूले के आधार पर धान की उत्पादन लागत को प्रति क्विंटल 1533 रुपये बताया और उस पर न्यूनतम 50 फीसदी मुनाफा जोड़कर 2300 रुपये एमएसपी तय कर दी।

वहीं गुजरात सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर एक अप्रैल 2025 से शुरू हुए रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए गेहूं की एमएसपी 4050 रुपये प्रति क्विंटल तय करने की मांग उठाई थी। पश्चिम बंगाल ने 3350 और महाराष्ट्र ने गेहूं की एमएसपी भी 4461 रुपये मांगी। जबकि केंद्र ने एमएसपी 2425 रुपये तय की है। यानी इन सूबों की मांग के मुकाबले एमएसपी बहुत कम है। राज्यों से आए प्रस्तावों को दरकिनार कर केंद्र ने एक औसत निकलकर यह बताया कि गेहूं की संपूर्ण लागत 1720 रुपये प्रति क्विंटल आई है। हालांकि सरकार ने सी-2 कॉस्ट के आधार पर एमएसपी तय नहीं किया। केंद्र सरकार ने गेहूं की ए2+एफएल फार्मूले के आधार पर उत्पादन लागत 1182 रुपये ही मानी। इस पर 105 फीसदी का मुनाफा देकर पूरे देश के लिए 2425 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी तय कर दी।

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के अनुसार रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के दौरान गेहूं की एमएसपी के लिए आठ

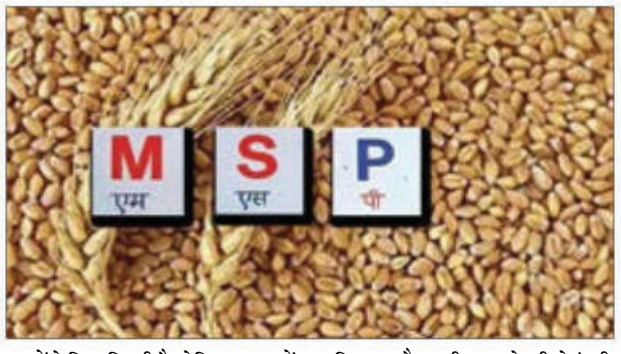

राज्यों ने सिफारिश दी है, लेकिन चार सूबों ने कोई प्रस्ताव नहीं दिया। इसमें गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इसके अलावा राजस्थान, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से भी गेहूं की एमएसपी को लेकर केंद्र सरकार को कोई प्रस्ताव या सुझाव नहीं दिया है।

यूनान के निकट प्रवासियों को ले जा रही नाव पलटने से सात लोगों की मौत

एथेंस। तुर्किए से प्रवासियो को एक निकटवर्ती यूनानी द्वीप पर ले जा रही एक नाव के पलट जाने से कम से कम सात लोगो की मौत हो गई, जिनमे दो बच्चे भी शामिल है। यूनान के तटरक्षक बल ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसने बताया कि लेस्बोस द्वीप के उत्तरी तट पर खोज और बचाव अभियान के दौरान शव बरामद किए गए। तटरक्षक बल ने बताया कि 23 लोगो को बचा लिया गया है। इसने बताया कि नाव पर सवार कुल लोगो की संख्या और उनकी राष्ट्रीयता के बारे मे तत्काल कोई जानकारी नही मिल पाई है। तटरक्षक बल ने बताया कि खोज और बचाव अभियान जारी है।

सबसे बड़ी बैटरी के साथ आएगा आईक्यू जेड

नई दिल्ली। हाईपरफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईक्यू भारत में 11 अप्रैल 2025 को आईक्यू जेड 10 सीरीज लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्य रूप से कॉलेज के छात्रों और युवाओं को ध्यान में रखते हुए, आईक्यू जेड 10 भारत का पहला और सबसे बड़ा बैटरी वाला स्मार्टफोन है, जो लंबे उपयोग के बावजूद दो दिनों से अधिक समय तक चल सकता है। यह भारत का सबसे पतला बैटरी स्मार्टफोन भी है, जिसकी मोटाई सिर्फ 0.789 सेंटीमीटर है। यह उन युवाओं के लिए एकदम सही विकल्प है जो अपने अकादमिक, सामाजिक जीवन और अन्य गतिविधियों के बीच संतुलन बनाए रखते हैं। स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 प्रोसेसर द्वारा संचालित, आईक्यू जेड 10 अपने 8.2 लाख बेंचमार्क स्कोर के साथ शानदार प्रदर्शन करता है। इसमें सेगमेंट का सबसे ब्राइट क्वाड कर्व्ड डिस्प्ले है, जिसकी 5000 निट्स लोकल पीक ब्राइटनेस है। आईक्यू जेड 10 फ्लैशचार्ज के साथ आता है, जो उन युवाओं के लिए एकदम सही है जो लगातार उपयोग करते रहते हैं। आईक्यू अपनी 'मेक इन इंडिया' प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए वीवो के ग्रेटर नोएडा फैसिलिटी में आईक्यू जेड 10 सीरीज का निर्माण करेगा।

कल्कि के कलाँ रनवे पर छा गईं

मुंबई। मैक्स फ़ैशन ने लैक्मे फ़ैशन वीक संग एफडीसीआई के 25वें एडिशन में एक साहसिक और परिवर्तनकारी शुरुआत की, जिसमें उनकी प्रेरणा कल्कि केकलाँ थीं। इस क्षण ने भारतीय फ़ैशन में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित किया, मैक्स फ़ैशन ने देश के सबसे प्रतिष्ठित रनवे में से एक पर हाई-स्ट्रीट स्टाइल को फिर से परिभाषित किया। यह महज़ एक रनवे क्षण नहीं था, बल्कि यह एक सांस्कृतिक मूल्यांकन था - एक बयान कि वैश्विक फ़ैशन हर किसी के लिए है, जिसमें ऐसी शैली अपनाई जाती है जो सुलभ हो, ट्रेंड के साथ चलने वाली हो, जिसे आसानी से पहना जा सके। अपने सिसिलियन समर और अमाल्फ़ी एस्केप कलेक्शन्स के लॉन्च के साथ, मैक्स फ़ैशन ने न केवल हाई-स्ट्रीट फ़ैशन को पुनर्परिभाषित किया बल्कि इसने एक मंच तैयार करके दिया जिससे लाखों लोगों की आकांक्षा सुलभ हो गई। मैक्स की उपाध्यक्ष और मार्केटिंग प्रमुख पल्लवी पांडे कहती हैं, मैक्स फ़ैशन की लैक्मे फ़ैशन वीक में शुरुआत सिर्फ़ एक मील का पत्थर नहीं है; यह एक ब्रांड के तौर पर हमारी पहचान की एक सशक्त पुष्टि है।

बाल पोर्नोग्राफी के जुर्म में भारतीय नागरिक को 35 साल की सजा

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने 31 वर्षीय भारतीय नागरिक को कई बच्चो के यौन शोषण का दोषी ठहराते हुए उसे 35 साल की सजा सुनाई है। भारतीय नागरिक पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया ऐप पर अपनी पहचान किशोर के तौर पर दिखाता था कम उम्र के लड़के और लड़कियो से दोस्ती करता था और उनका विश्वास जीत लेता था।

अमेरिका के जवाबी शुल्क पर दुनियाभर के नेताओं ने दी सधी प्रतिक्रिया

बैंकॉक। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदार देशों पर दूरगामी प्रभाव वाले नए शुल्क लगाने की घोषणा की। इसमें चीन से आयात पर 34 प्रतिशत कर और यूरोपीय संघ (ईयू) और अन्य पर 20 प्रतिशत कर तथा भारत पर व्यापक रूप से 26 प्रतिशत का रियायती जवाबी शुल्क लगाया गया है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था की संरचना के काफी हद तक ध्वस्त होने और व्यापक व्यापार युद्ध शुरू होने का खतरा है। ट्रंप इन आयात करों को जवाबी शुल्क कहते हैं और इनकी सीमा 10 प्रतिशत से 49 प्रतिशत तक है। सरल शब्दों में कहें तो अमेरिका अपने व्यापारिक साझेदारों पर उतना ही शुल्क लगाएगा जितना वे लगाएंगे। ट्रंप के अनुसार, ए देश दशकों से अमेरिका के साथ यही करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, करदाताओं को 50 से अधिक वर्षों से लूटा जा रहा है... लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। राष्ट्रपति ने वादा किया कि करों के परिणामस्वरूप अमेरिका के कारखानों में नौकरियां वापस आएंगी, लेकिन उनकी नीतियों से अचानक आर्थिक मंदी का खतरा है क्योंकि उपभोक्ताओं और व्यवसायों को कीमतों में भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने इसे न केवल एक आर्थिक मुद्दा बताया, बल्कि इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न भी बताया, जो हमारी जीवन-शैली के लिए खतरा है। ट्रंप की इस घोषणा के बाद वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मच गई। बृहस्पतिवार को अमेरिकी शेयर वायदा में तीन प्रतिशत तक की गिरावट आई और तोक्यो के बाजार में एशिया में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। तेल की कीमतें दो डॉलर प्रति बैरल से अधिक गिर गईं और बिटकॉइन की कीमत में 4.4 प्रतिशत की गिरावट आई। ट्रंप की घोषणा के बाद ब्रिटेन की सरकार ने कहा कि अमेरिका ब्रिटेन का सबसे करीबी सहयोगी बना हुआ है। व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा कि ब्रिटेन को उम्मीद है कि वह ट्रंप द्वारा घोषित ब्रिटिश वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए एक व्यापार समझौता कर लेगा। उन्होंने कहा, कोई भी व्यापार युद्ध नहीं चाहता और हमारा इरादा समझौता सुनिश्चित करना है।

इजराइल के हवाई हमलों में 50 से अधिक फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह

इजराइल द्वारा रात भर किए गए हमलों में गाजा पट्टी में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।इस हमले से एक दिन पहले ही इजराइल के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने कहा था कि उनका देश गाजा के बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा और फलस्तीनी क्षेत्र में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित करेगा।गाजा पट्टी के दक्षिणी भाग में स्थित खान यूनिस के अधिकारियों ने बताया कि 14 लोगों के शव नासेर अस्पताल ले जाए गए हैं, जिनमें से नौ एक ही परिवार के हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में पांच बच्चे और चार महिलाएं शामिल हैं।अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि हमलों के बाद बच्चों और महिलाओं समेत 19 लोगों के शव खान यूनिस स्थित एक अस्पताल लाए गए हैं। वहीं, गाजा पट्टी स्थित अहली अस्पताल में सात बच्चों समेत 21 लोगों के शव लाए गए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा था कि इजराइल गाजा में एक नया सुरक्षा गलियारा स्थापित कर रहा है।

नेतन्याहू अंतरराष्ट्रीय वारेंट के बावजूद बुडापेस्ट पहुंचे, हंगरी बोला- आईसीसी से अलग होंगे

बुडापेस्ट। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बृहस्पतिवार तड़के हंगरी की राजधानी पहुंचे जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। हालांकि विश्व की शीर्ष युद्ध अपराध अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। नवंबर में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) ने नेतन्याहू के खिलाफ वारंट जारी किया था जिसके बाद से यह इजराइली प्रधानमंत्री की दूसरी विदेश यात्रा है। जैसे ही नेतन्याहू बुडापेस्ट पहुंचे, हंगरी ने कहा कि वह आईसीसी से अलग होने की प्रक्रिया शुरू करेगा। प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान के चीफ ऑफ स्टाफ गेरगेली गुलियास ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, हंगरी अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय से अलग होगा। उन्होने कहा कि सरकार संवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढांचे के अनुसार बृहस्पतिवार को आईसीसी से अलग होने की प्रक्रिया शुरू करेगी। नेतन्याहू का राजधानी बुडापेस्ट के वैसल डिस्ट्रिक्ट में पूरे सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया, जहां वह ओरबान के साथ खड़े थे।दोनो नेताओ के बीच बृहस्पतिवार को बातचीत होनी है।

म्यांमा भूकंप : मांडले में भारतीय टीम बचाव कार्य के साथ स्थानीय लोगों का दिल भी जीत रही

मांडले (म्यांमा)

म्यांमा में गत शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप आने और उसके बाद मदद को पहुंची भारतीय टीम विपरीत परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्य को अंजाम तो दे ही रही हैअ साथ ही स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान कर उनका दिल भी जीत रही है। इसी का उदाहरण मांडले में मलबे से एक शव को निकालते समय देखने को मिला। मलबे में फंसे शव को देखकर प्रतीत होता था कि महिला और उसका बच्चा उस समय भूकंप की चपेट में आ गए जब वे नमाज़ पढ़ रहे थे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों ने पूर्व शाही राजधानी मांडले में स्ट्रीट 86ए के पास इस आपदा स्थल पर स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए शव निकालने से कदम पीछे खींच लिए।एनडीआरएफ के एक सदस्य ने पीटीआई-भाषा को बताया, लेकिन समय गुजरने के साथ ही शव सड़ने लगा था। परिजनों को एहसास हुआ कि शव को पूरी तरह से निकालने के लिए उनके पास विशेषज्ञता का अभाव है, इसलिए वे हिचकिचाने लगे। उनकी शुरुआती अनिच्छा बाद में अपील में बदल गई। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ कर्मियों ने अपना कार्य पुन: शुरू किया, महिला के शव को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला तथा नमाज़ की उसकी अंतिम मुद्रा की गरिमा को बनाए रखा।

मृतकों की संख्या बढ़कर 3,085 हुई

बैंकॉक। म्यांमा में करीब एक सप्ताह पहले आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बृहस्पतिवार को बढ़कर 3,085 हो गई। देश की सैन्य सरकार ने यह जानकारी दी। एक संक्षिप्त बयान में सेना ने कहा कि 4,715 लोग घायल हुए है तथा 341 लापता है। पिछले शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र म्यांमा के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। इससे कई इलाकों में हजारो इमारते ढह गईं, सड़कें टूट गईं और पुल नष्ट हो गए। स्थानीय मीडिया में हताहतों की जो संख्या बताई गई है वह आधिकारिक आंकड़ो से कही अधिक है। चूंकि दूरसंचार सेवाएं व्यापक रूप से बंद है तथा कई स्थानो तक पहुंचना कठिन है इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि जैसे-जैसे अधिक विवरण सामने आएगा, मृतक संख्या में तेजी से वृद्धि हो सकती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि उसके प्रारंभिक आकलन के अनुसार, चार अस्पताल और एक स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह नष्ट हो गया है जबकि 32 अस्पताल और 18 स्वास्थ्य केंद्र आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए है। भारत का एक मोबाइल अस्पताल और रूस-बेलारूस का संयुक्त अस्पताल भी अब मांडले में लोगो को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा रहे है।

अमेरिका ने अपने कर्मियों पर चीनी नागरिकों के साथ रोमांटिक, यौन रिश्ता रखने पर प्रतिबंध लगाया

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने चीन में अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों, साथ ही परिवार के सदस्यों और सुरक्षा मंजूरी प्राप्त ठेकेदारों पर चीनी नागरिकों के साथ किसी भी प्रकार का रोमांटिक या यौन रिश्ता रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को इस बारे में जानकारी मिली है। मामले से अवगत चार लोगों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर एपी को इस नीति के बारे में बताया जिसे जनवरी में अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स ने चीन छोड़ने से कुछ समय पहले लागू किया था। कुछ अमेरिकी एजेंसियों ने पहले से ही ऐसे रिश्तों को लेकर सख्त नियम लगा रखे हैं। हालांकि, अन्य देशों में अमेरिकी राजनयिकों के लिए स्थानीय लोगों के साथ डेटिंग करना और उनसे शादी तक करना भी असामान्य नहीं है। पिछले साल गर्मियों में इस नीति को सीमित रूप में लागू किया गया था,

अमेरिका: तूफान के कारण मध्य-पश्चिम और दक्षिण क्षेत्र में मकान व बिजली की लाइन क्षतिग्रस्त

वाशिंगटन। अमेरिका के मध्य-पश्चिम और दक्षिण के कुछ क्षेत्रों में भीषण तूफान के कारण घरों की छतें उड़ गईं और बिजली के खंभे तथा पेड़ गिर गए।उत्तर-पूर्व अरकंसास में तूफान के मद्देनजर संक्षिप्त आपातकाल घोषित किया गया। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर निवासियों से अपील की, यह खतरनाक स्थिति है। कृपया अभी घरों में रहें। बुधवार शाम अरकंसास, इलिनोइस, मिसौरी और मिसिसिपी के कुछ हिस्सों में तूफान और बवंडर को लेकर 12 से अधिक चेतावनियां जारी की गईं। मौसम वैज्ञानिकों ने इसके लिए अस्थिर वातावरण, तेज हवा और खाड़ी से देश के मध्य भाग में आने वाली नमी तथा दिन के समय की गर्मी को जिम्मेदार बताया है।आगामी दिनों में दक्षिण और मध्य-पश्चिम में संभावित रूप से भीषण बाढ़ का भी खतरा है, क्योंकि पूर्व की ओर बढ़ रहा भयंकर तूफान विकराल होता जा रहा है।

नए शोध से 4.5 अरब साल पहले पृथ्वी की ऊपरी सतह के रासायनिक रहस्यों का पता चला

सिडनी

पृथ्वी आज एकमात्र ज्ञात ग्रह है जिस पर प्लेट टेक्टोनिक्स हैं। ग्रह के मैग्मा पर चट्टानों के इन विशाल स्लैब की निरंतर गति से महाद्वीप बनते हैं और शायद इससे जीवन का सृजन करने में भी मदद मिली हो। नेचर पत्रिका में आज प्रकाशित एक नए शोधपत्र में, मेरे सहकर्मियों और मैंने 4.5 अरब साल पहले पृथ्वी की सतह के रहस्यों का खुलासा किया है। इस प्रक्रिया में, हम सबसे बड़े स्थाई वैज्ञानिक रहस्यों में से एक को समझने का एक नया तरीका भी प्रदान करते हैं: प्लेट टेक्टोनिक्स कब शुरू हुआ ?जीवन के विकास से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है:पृथ्वी लगभग 4.5 अरब साल पुरानी है। कुछ वैज्ञानिकों का तर्क है कि अपने शुरुआती रूप में, ग्रह में प्लेट टेक्टोनिक्स नहीं थीं और इसके बजाय इसकी विशेषता स्थिर सतह (एक ढक्कन की कल्पना करें) रही होगी - मंगल ग्रह के समान।दूसरों का कहना है कि इसकी विशेषता एपिसोडिक, स्टॉप-स्टार्ट टेक्टोनिक्स रही होगी। प्लेट टेक्टोनिक्स महासागरों और वायुमंडल की संरचना से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं क्योंकि प्लेटों की निरंतर गति कार्बन और अन्य तत्वों को भी इधर-उधर ले जाती है। यह पृथ्वी के आंतरिक भाग से गर्मी कैसे निकलती है, इससे भी निकटता से जुड़ा हुआ है। इस वजह से, प्लेट टेक्टोनिक्स को पृथ्वी पर जीवन के विकास से भी घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ माना जाता है। एक विशिष्ट रासायनिक फिंगरप्रिंट - टेक्टोनिक प्लेटों की गति उनकी सीमाओं पर ज्वालामुखी गतिविधि उत्पन्न करती है। लेकिन द्वीप चापों पर, जैसे कि तथाकथित रिंग ऑफ फायर जो प्रशांत महासागर को घेरता है, इस ज्वालामुखी की एक विशिष्ट रासायनिक फिंगरप्रिंट है जो आज के औसत महाद्वीपीय सतह के लगभग समान है। उदाहरण के लिए, दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के सापेक्ष तत्व नियोबियम की कमी है। इस वजह से, वैज्ञानिक लंबे समय से सोचते रहे हैं कि प्लेट टेक्टोनिक्स की शुरुआत कब हुई, यह निर्धारित करने की कुंजी प्राचीन चट्टानों में इस फिंगरप्रिंट की पहली उपस्थिति को खोजना है। दुर्भाग्य से, प्लेट टेक्टोनिक्स की क्रियाएं पृथ्वी की सतह की चट्टानों को भी संपीड़ित, पिघलाती और पुन: संसाधित करती हैं।

बदलते मौसम के लिए आयुर्वेद लाभदायक

जब सर्दी का मौसम खत्म होता है और गर्मियां शुरू होती हैं, तो आयुर्वेद के हिसाब से हमें इस संधि कला (स्प्रिंग) के दौरान अपने खान-पान का खास ध्यान रखना चाहिए। इस समय हमारे शरीर के तीन दोष (वात, पित्त और कफ) बिगड़ जाते हैं, जिससे हम बीमार पड़ सकते हैं। गर्म और सूखा मौसम वात को बढ़ाता है, जिससे शरीर में सूखापन, बेचैनी और सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। वहीं, तापमान के बदलने से हमारा पाचन भी कमजोर हो जाता है, जिससे शरीर में जहरीले पदार्थ जमा होने लगते हैं और हमारी इम्युनिटी कम हो जाती है। इस चरण के दौरान अपनी सेहत को दुरुस्त बनाए रखने के लिए, हमें गर्म, अच्छी तरह से पके हुए भोजन के साथ शरीर को पोषण देना आवश्यक है। डॉ मधुमिता कृष्णन, आयुर्वेद एक्सपर्ट ने कहा एक आयुर्वेद विशेषज्ञ के रूप में, मैं दैनिक आहार में घर का बना घी, वेजीटेबल सूप, मौसमी साग-सब्जियां और मुट्ठी भर बादाम जो प्राकृतिक प्रोटीन का बढ़िया स्रोत है, को शामिल करने की सलाह देती हूं।इस मौसम में सुबह ठंडी और दोपहर गर्म होने की वजह से, हमारी खाने की आदतें बदल जाती हैं। ठंडे दिनों में हमें तला-भुना और भारी खाना खाने का मन करता है, जबकि गर्मी बढ़ने पर हम ठंडे पेय और आइसक्रीम खाना चाहते हैं। लेकिन, अगर हम ऐसा असंतुलित खाना खाते हैं, तो हमारा पाचन तंत्र खराब हो सकता है, जिससे पेट फूलना (ब्लोटिंग), थकान और मौसमी बीमारियों हो सकती हैं।एक अच्छी तरह से बनाई गई 7 दिन की आयुर्वेदिक डाइट आपको मौसम बदलने के समय होने वाली बीमारियों से बचा सकती है और आपको पौष्टिक और स्वादिष्ट खाना खाने में मदद करेगी। हम आपके लिए एक आसान और असरदार डाइट प्लान लेकर आए हैं। ध्यान रखें कि हर किसी का शरीर अलग होता है, इसलिए आप अपनी ज़रूरत के हिसाब से खाने की मात्रा और चीज़ें बदल सकते हैं।

अनन्या ने अपने रोल दिलरीत गिल की नई तस्वीरें की शेयर...

सुहाना के अलावा कई सेलेब्स ने किया कमेंट

अनन्या पांडे इन दिनों फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 'केसरी चैप्टर 2' की रिलीज से पहले अनन्या ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' के सेट से दो और तस्वीरें शेयर की हैं, जिन पर सुहाना खान के अलावा कई सेलेब्स ने प्यार बरसाया है। अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' के सेट से अपनी दो ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अनन्या बेहद सिंपल और खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन दो तस्वीरों के साथ अनन्या ने कैप्शन में लिखा, ''केसरी चैप्टर 2' के लिए दिलरीत गिल का निर्माण... क्या आपने अभी तक देखा हमारी फिल्म का ट्रेलर?'

अनन्या पांडे की इन तस्वीरों पर उनकी बेस्ट फ्रेंड और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने लिखा, 'वह सबसे अच्छी है'। सुहाना के अलावा बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान ने कुछ लिखने की बजाए लाल रंग के दिल इमोजी बनाए हैं। फिल्म निमार्ता और निर्देशक जोया अख्तर ने भी फराह की तरह ही लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं करण जौहर की धर्मा मूवीज ने लिखा, 'मैं दर्शकों द्वारा आपको इस किरदार में जीवंत होते देखने का इंतजार नहीं कर सकता'।

इन सभी के अलावा अनन्या की मां और चंकी पांडे की पत्नी भावना पांडे ने अपनी बेटी अनन्या के इस लुक पर लाल हिल वाले इमोजी बनाए हैं। 'केसरी चैप्टर 2' में अनन्या के अलावा अक्षय कुमार और आर माधवन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुछ दिनों पहले ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिससे फिल्म को लेकर फैंस में उत्साह बढ़ गया है।

इस फिल्म का निर्देशन करण

एम्पुरान से लेकर फिराक तक, गुजरात दंगों पर आधारित हैं ये फिल्में...

मुंबई। साउथ के स्टार पृथ्वीराज और मोहनलाल की फिल्म 'एल2: एम्पुरान' पर अभी भी विवाद जारी है। फिल्म में गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई है। फिल्म 27 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद लोगों ने फिल्म पर ऐतराज जताया था। विवाद के बाद फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म में 24 कट लगाए और संवाद बदले। आज हम आपको ऐसी ही फिल्मों के बारे में बताने वाले हैं जिनमें गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई है।

***द साबरमती रिपोर्ट** : यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। फिल्म में विक्रांत मेसी, राशि खन्ना और रिधि डोगरा अहम रोल में थीं। फिल्म का निर्देशन धीरज सरना ने किया था। फिल्म में साल 2002 में गोधरा ट्रेन अग्निकांड की कहानी और उसके बाद हुए गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई थी। इस फिल्म पर विवाद हुआ था।*

***एक्सीडेंट ऑर कांस्पेरेसी; गोधरा** : यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन एमके शिवाक्ष ने किया। फिल्म में रणवीर शौरी, मनोज जोशी और हितू कनोडिया ने अभिनय किया है। फिल्म में साल 2002 में गोधरा अग्निकांड की कहानी दिखाई गई है। इसके बाद गुजरात दंगों की कहानी दिखाई गई है।*

***काई पो चे**: काई पो चे फिल्म साल 2013 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्माण अभिषेक कपूर ने किया था। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत, राजकुमार राव, अमृता पुरी और अमित साध अहम रोल में थे। फिल्म में दिखाया है कि लोगों पर गुजरात दंगों का असर पड़ा। हालांकि, फिल्म के आखिर में इंसानियत की जीत दिखाई गई है। इस फिल्म पर विवाद हुआ था।*

***फिराक** : यह फिल्म साल 2008 में रिलीज हुई थी। फिल्म का लेखन और निर्देशन नंदिता दास ने किया था। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, नवाजुद्दीन सिद्दकी, परेश रावल, संजय सुरी और दीप्ति नवल ने अदाकारी की थी। इस फिल्म में भी गुजरात दंगों और उसके बाद की हालत दिखाई गई है।*

***परजानिया** : ये फिल्म साल 2005 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन राहुल ढोलकिया ने किया था। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सारिका और कोरिन नेमेक ने अहम रोल अदा किया है। इस फिल्म में एक पारसी परिवार की कहानी दिखाई गई है। गुजरात दंगों के दौरान उनका बेटा गायब हो जाता है। फिर परिवार बेटे को ढूंढ़ता है।*

ऐश्वर्या -आराध्या बच्चन की तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

मुंबई। हाल ही में ऐश्वर्या राय बच्चन को अपने एक रिश्तेदार की शादी में देखा गया। वह बेटी आराध्या और पति अभिषेक बच्चन के साथ नजर आईं। इस शादी से ऐश्वर्या और उनके परिवार की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। ये तस्वीरें ऐश्वर्या के फैंस को खूब पसंद आईं। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन को बेटी आराध्या के साथ एक शादी में देखा गया। यह शादी ऐश्वर्या राय के मामा के बेटे की बताई जा रही है। इस शादी से कई वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं, जिन्हें ऐश्वर्या के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। हाल ही में शादी की कुछ और तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। इनमें ऐश्वर्या और आराध्या का लुक काफी कमाल का नजर आ रहा है। शादी की जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं, उनमें ऐश्वर्या राय और आराध्या बच्चन लाल रंग की ट्रेडिशनल ड्रेस में दिख रही हैं। दोनों ने बहुत नेचुरल मेकअप किया हुआ है। तस्वीरों में ऐश्वर्या के मामा के

परिवार के लोग भी शामिल हैं। अभिषेक ने भी सफेद शेरवानी पहनी है, वह भी तस्वीरों में नजर आ रहे हैं। ऐश्वर्या, अभिषेक और आराध्या एक हैप्पी फैमिली की तरह तस्वीरों में दिख रहे हैं।

यह हिंदी सिनेमा की है बेहतरीन फिल्म

65 साल पहले आई थी एक ऐसी फिल्म, जिसकी टिकट के लिए रात में सड़कों पर सो जाते थे लोग, लगती थी 5 किमी लंबी लाइन

***नई दिल्ली।** हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई क्लासिक मूवीज बनीं, लेकिन 65 साल पहले रिलीज 'मुगल-ए-आजम' का आजतक कोई तोड़ नहीं है। इसे हिंदी सिनेमा की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। के आसिफ के निर्देशन में बनी ये अपने समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी और इसके पूरे निर्माण के दौरान कई बार देरी का सामना करना पड़ा। हालांकि, ये देरी इसके लायक थी, क्योंकि फिल्म तुरंत हिट हो गई। इसका क्रेज ऐसा था कि दर्शक दिलीप कुमार, पृथ्वीराज कपूर और मधुबाला की फिल्म की टिकट पाने के लिए कई दिनों तक कतार में खड़े रहते थे। हाल ही में रजा मुराद ने इस दीवानगी को लेकर खुलासा किया है। यहां बता दें कि जब साल 1960 में 'मुगल-ए-आजम' रिलीज हुई थी, तब रजा मुराद 10 साल के थे। उनके पिता हामिद अली मुराद भी इस आइकॉनिक मूवी का हिस्सा थे। उन्होंने राजा मान सिंह का किरदार निभाया था। रजा मुराद ने बताया कि फिल्म के टिकट खरीदने के लिए कतार दो दिनों तक चली और 5 किलोमीटर से ज्यादा लंबी हो गई।*

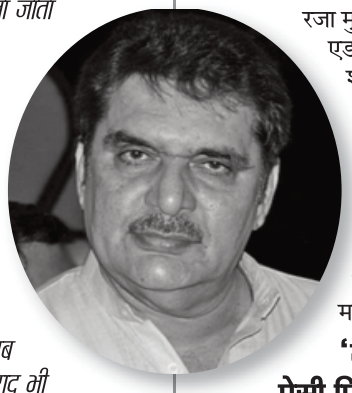

सड़कों पर सोते थे लोग घरवाले लाते थे खाना

रजा मुराद ने कहा, 'सोमवार की एडवांस बुकिंग के लिए लोग शनिवार से ही कतार में लग गए थे। मैंने खुद भी ऐसा देखा है। लोग सड़कों पर सोते थे, उनके परिवार के सदस्य उनके लिए खाना लाते थे और वे सोमवार के शो के लिए टिकट खरीदने का इंतजार करते थे। बॉम्बे सेंट्रल से शुरू हुई कतार महालक्ष्मी तक चली गई।'

'नहीं बनना चाहिए ऐसी फिल्मों का रीमेक'

उन्होंने ये भी कहा कि इस तरह की फिल्म का कभी रीमेक नहीं बनाया जाना चाहिए और जो कोई भी ऐसा करने की कोशिश करेगा, वह बुरी तरह विफल होगा।

भगवान ने मधुबाला, के आसिफ और पृथ्वीराज को मिशन पर भेजा था

वो बोले, 'मुझे लगता है कि भगवान ने मधुबाला, आसिफ और पृथ्वीराज कपूर को एक मिशन पर भेजा था। उनका मिशन 'मुगल-ए-आजम' बनाना था। फिल्म के तुरंत बाद, वे सभी भगवान के पास वापस चले गए।' बता दें कि मधुबाला, के आसिफ और पृथ्वीराज कपूर का निधन फिल्म रिलीज के 12 साल के अंदर हो गया था।

मोनोक्रोम में हुई थी शूटिंग

'मुगल-ए-आजम' उस समय तक भारत में बनी सबसे भव्य फिल्म थी। पूरी फिल्म मोनोक्रोम में शूट की गई थी। के आसिफ ने मधुबाला के साथ 'प्यार किया तो डरना क्या' गाने को रंगीन तरीके से शूट किया था।

दिलीप और मधुबाला का रिश्ता हुआ था खत्म

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही दिलीप और मधुबाला ने अपने रिश्ते को खत्म कर दिया था। वे स्क्रीन पर प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभा रहे थे, लेकिन एक-दूसरे से बात भी नहीं करते थे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com